Series SKS/1/C

कोड नं. **29/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

जब मनुष्य जंगली था, वनमानुष जैसा, उसे नाख़ून की ज़रूरत थी अपनी जीवन-रक्षा के लिए । असल में वही उसके अस्त्र थे । दाँत भी थे, पर नाख़ून के बाद ही उनका स्थान था । उन दिनों उसे जूझना पड़ता था, प्रतिद्वन्दियों को पकड़ना पड़ता था, नाख़ून उसके लिए आवश्यक अंग था । फिर धीरे-धीरे वह अपने अंग से बाहर की वस्तुओं का सहारा लेने लगा । पत्थर के ढेले और पेड़ की डालें काम में लाने लगा । उसने हड्डियों के भी हथियार बनाए । इन हड्डियों के हथियारों में सबसे मज़बूत और सबसे ऐतिहासिक था देवताओं के राजा का वज्र जो दधीचि मुनि की हड्डियों से बना था । मनुष्य और आगे बढ़ा, उसने धातु के हथियार बनाए । जिनके पास लोहे के अस्त्र और शस्त्र थे, वे विजयी हुए । इतिहास आगे बढ़ा । पलीते वाली बन्दूकों ने, कारतूसों ने, तोपों ने, बमों ने, बम-वर्षक वायुयानों ने इतिहास को किस कीचड़-भरे घाट तक घसीटा है, यह सबको मालूम है । नखधर मनुष्य अब एटम बम पर भरोसा कर और

आगे चल पड़ा है, पर प्रकृति मनुष्य को उस भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है । वह लाख वर्ष पहले के 'नखदंतावलम्बी' जीव को उसकी असलियत बता रही है ।

(क) प्रस्तुत गद्यांश में मनुष्य को वनमानुष जैसा क्यों कहा गया है और तब उसे नाख़ून की ज़रूरत क्यों थी ? *2*

(ख) धीरे-धीरे उसने पत्थर के ढेले और पेड़ों की डालों का सहारा क्यों लिया ? *2*

(ग) दधीचि की हड्डियों से कौन-सा अस्त्र बना और वह किस उद्देश्य के लिए था ? *2*

(घ) किन अस्त्र-शस्त्रों ने इतिहास को कीचड़-भरे घाट तक घसीटा है ? *2*

(ङ) हथियारों की उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होने पर भी प्रकृति उसके भीतर वाले अस्त्र को आज भी बढ़ाए जा रही है, क्यों ? *2*

(च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(छ) 'वनमानुष' समस्त पद का विग्रह कीजिए और समास का भेद भी बताइए । *1*

(ज) 'ऐतिहासिक' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए । *1*

(झ) 'विजय', 'आवश्यक' – विलोम शब्द लिखिए । *1*

(ञ) 'नखदंतावलम्बी' जीव किसे कहा गया है ? *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *1×5=5*

ज्यों निकल कर बादलों की गोद से
थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी ।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह ! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी ।
देव, मेरे भाग्य में ही क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में
जल उठूँगी गिर अंगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में ।
बह उठी उस काल कुछ ऐसी हवा
वह समंदर ओर आई अनमनी ।
एक सुंदर सीप का था मुँह खुला,
वह उसी में जा गिरी, मोती बनी ।

लोग अक्सर हैं झिझकते-सोचते
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर ।
किंतु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर ।

(क) कविता में संदर्भित वर्षा की बूँद किसकी प्रतीक है ?

(ख) बूँद के पश्चाताप का कारण आप क्या मानते हैं ?

(ग) गिरती हुई बूँद के मन में क्या-क्या विचार उठते हैं ?

(घ) बूँद मोती कैसे बन गई ?

(ङ) बूँद की दुविधाभरी मानसिकता मानव-स्वभाव की किस विशेषता को उजागर करती है ?

अथवा

रणबीच चौकड़ी भर-भर कर
चेतक बन गया निराला था
राणा प्रताप के घोड़े से
पड़ गया हवा का पाला था ।
गिरता न कभी चेतक तन पर
राणा प्रताप का कोड़ा था
वह दौड़ रहा अरि मस्तक पर
या आसमान पर घोड़ा था
जो तनिक हवा से बाग हिली
लेकर सवार उड़ जाता था
राणा की पुतली फिरी नहीं
तब तक चेतक मुड़ जाता था
कौशल दिखलाया चालों में
उड़ गया भयानक भालों से

निर्भीक बन गया ढालों में
सरपट दौड़ा करवालों में
है यहाँ रहा अब यहाँ नहीं
वह वहीं रहा, अब वहाँ नहीं
थी जगह न कोई जहाँ नहीं
किस अरि मस्तक पर कहाँ नहीं ।

(क) चेतक कौन था ? उसे निराला क्यों कहा गया है ?

(ख) 'हवा से पाला पड़ना' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था" काव्य-पंक्ति में चेतक की क्या विशेषता बताई गई है ?

(घ) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनमें चेतक की तीव्र गति का उल्लेख हुआ है ?

(ङ) चेतक ने कैसे रण-कौशल का परिचय दिया ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *10*

(क) शिक्षक : देश का भाग्य-निर्माता

(ख) दम तोड़ते संयुक्त परिवार

(ग) युवा-वर्ग और बेरोज़गारी

(घ) मेरा जीवन-लक्ष्य

4. पंजाब नैशनल बैंक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में हिन्दी कम्प्यूटर पर काम करने वाले क्लर्क का पद रिक्त है । बैंक के प्रबंधक को अपने वृत्त (बायोडेटा) के साथ आवेदन-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके क्षेत्र में बढ़ते अनधिकृत निर्माण की रोकथाम के लिए नगर-निगम के आयुक्त को पत्र लिखिए ।

5. संचार-माध्यमों में मुद्रित (प्रिंट) माध्यम की किन्हीं तीन विशेषताओं और दो ख़ामियों पर प्रकाश डालिए । 5

अथवा

दूरदर्शन समाचार-वाचक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(क) वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?

(ख) विशेष लेखन किसे कहते हैं ?

(ग) खोजी रिपोर्ट से क्या तात्पर्य है ?

(घ) सम्पादकीय लेखन का दायित्व किस पर होता है ?

(ङ) समाचार किसे कहते हैं ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा । भइ अनपत्त फूल कर साखा ।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । मोकहँ भा जग दून उदासू ।।
फाग करहिं सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी ।।
जौ पै पियहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ।।
रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौं कंत छार जेऊँ तोरें ।।
यह तन जारौं छार कै कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहि मारग होइ परौं कंत धरैं जहँ पाउ ।।

अथवा

अरुण यह मधुमय देश हमारा ।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस-गर्भ-विभा पर नाच रही तरु शिखा मनोहर ।

छिटका जीवन हरियाली पर मंगल कुंकुम सारा ।
लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए समझ नीड़ निज प्यारा ।।
बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा-जल ।
लहरें टकरातीं अनन्त की पाकर जहाँ किनारा ।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) राम-वन-गमन के पश्चात् कौशल्या की मनःस्थिति को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) "कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण"

इस कथन के पीछे छिपी वेदना और विवशता पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि कवि ने उसे स्नेह-भरा, गर्व-भरा एवं मदमाता क्यों कहा है ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***दो*** का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) सिंधु तर्‌यो उनको बनरा, तुम पै धनु-रेख गई न तरी ।
बाँधोई बाँधत सो न बन्यो, उन बारिधि बाँधिकै बाट करी ।

(ख) पुलकि सरीर सभा भए ठाढ़े ।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।

(ग) किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेख़बर ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य । नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है । आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सेंक्शन' कहा करते हैं । मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि-मानव की चित्त-गंगा में स्नात ।

अथवा

उसके चित्र के चमकीले रंग और पार्श्वभूमि की गहरी काली रेखाएँ दोनों ही यथार्थ जीवन से उत्पन्न होते हैं । इसलिए प्रजापति कवि गंभीर यथार्थवादी होता है । ऐसा यथार्थवादी जिसके पाँव वर्तमान की धरती पर हैं और आँखें भविष्य के क्षितिज पर लगी हुई हैं ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) अराफ़ात ने ऐसा क्यों कहा कि "ये आपके ही नहीं हमारे भी नेता हैं । उतने ही आदरणीय जितने आपके लिए ।" इस कथन के आधार पर गांधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

(ख) " 'संवदिया' कहानी में बड़ी बहुरिया की पीड़ा को, उसके भीतर के हाहाकार को संवदिया के माध्यम से लेखक ने पूरी सहानुभूति प्रदान की है ।" – इस कथन की तर्कसहित पुष्टि कीजिए ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर हर की पौड़ी पर होने वाली आरती का भावपूर्ण वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

12. विद्यापति **अथवा** विष्णु खरे के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके काव्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *6*

अथवा

रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** असगर वज़ाहत की जीवनी और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड घ

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) "प्रकृति सजीव नारी बन गई" – इस कथन के संदर्भ में 'बिस्कोहर की माटी' के लेखक की प्रकृति, नारी व सौंदर्य-सम्बन्धी मान्यताएँ स्पष्ट कीजिए ।

(ख) सूरदास की वह छोटी-सी पोटली उसके लोक और परलोक, उसकी दीन-दुनिया का आशा-दीपक थी । – कैसे ? लेखक के इस कथन का आशय भी स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'आरोहण' कहानी में रूपसिंह को घर लौटते समय एक अजीब क़िस्म की लाज और झिझक क्यों थी ? स्पष्ट कीजिए ।

14. 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे' इसके संदर्भ में बताइए कि सूरदास के चरित्र से किन मूल्यों को ग्रहण किया जा सकता है । *5*

15. एक ज़िम्मेदार नागरिक होने के नाते आप पर्यावरण को विनाश से बचाने के लिए क्या-क्या उपाय कर सकते हैं ? विस्तारपूर्वक लिखिए । *6*

अथवा

'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर गाँव की बरसात में वहाँ के लोगों के जीवन की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए ।